मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC–132

बी. ए. (सामान्य)

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.डी.सी.–132 : मध्यकालीन हिंदी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

(क) यहु तन जालौं मसि करौं, लिखौं राम का नाऊँ।
लेखणि करौं करंक की, लिखि लिखि राम पठाऊँ॥

(ख) पिय सौं कहेहु संदेसरा, ऐ भँवरा ऐ काग।
से धनि बिरहें जरि गई, तहिक धुआँ हम लाग॥

(ग) तन की दुति स्याम सरोरुह लोचन,
कंज की मंजुलताई हरैं।
अति सुंदर सोहत धूरि भरे,
छबि भूरि अनंग की दूरि करैं।
दमकैं दतियाँ दुति-दामिनि ज्यों,
किलकैं कल बाल-विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा,
तुलसी-मन-मंदिर में बिहरैं।

2. सगुण भक्तिकाव्य की विशेषताएँ बताइए। 20

3. रीतिकाव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। 20

4. रविदास की कविताओं में अभिव्यक्त भक्तिभावना का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 20

5. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 20

6. मीराबाई की कविताओं पर विभिन्न संप्रदायों के प्रभाव की समीक्षा कीजिए। 20

7. सूरदास के काव्य में अभिव्यक्त वात्सल्य एवं शृंगार का विवेचन कीजिए। 20

8. रहीम की काव्यभाषा और शैली पर प्रकाश डालिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) रामभक्ति शाखा

(ख) कबीर की भक्ति-भावना

(ग) सतसई परंपरा और 'बिहारी सतसई'

(घ) घनानंद के काव्य में लोक जीवन

× × × × ×